

संभव से माया  
असकाम जो कर्म  
दुःख को माया  
से भागे हुए

15/8/24 पत्रावली पेश हुई। प्रकृत लम्बे  
अग्रम में बाकी शास्त्र में विचार  
- हीन है। तदीय बाकी एवं बाकी  
हाफने बाक के प्रति गंभीर नहीं  
है। निष्ठा बाकी का बाक  
आत्म चरनी एवं आत्म साजिरी  
में खारिज किया जाता है।

पत्रावली चंमल गुगार  
होकर सखिल दफ्तर हो।

सहायक कलक्टर  
(फाट देक) बाइपे।

